मरम्मत करने संबंधी कार्य जनवरी, 1992 से आरंभ होकर आज तक चल रहा है और गुजरात से गुजरने वाले बाकी राष्ट्रीय राजमार्गों से संबंध में ऐसा कार्य कब तक आरंभ किये जाने की संभावना है; और

(ख) अनुमानित व्यय तथा उस पर खर्च हुई वास्तविक धनराशि का ब्यौरा क्या है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) और (ख) राष्ट्रीय राजमार्गों का रख-रखाव एक सतत प्रक्रिया है और उपलब्ध संसाधनों से ही राष्ट्रीय राजमार्गों को यातायात योग्य स्थिति में रखा जाता है। संभवत माननीय सदस्य द्वारा प्रयुक्त विस्तार शब्द का आशय नए राष्ट्रीय राजमार्गों की घोषणा से है। निधियों के अभाव के कारण जनवरी, 1992 से अब तक गुजरात में किसी नए राष्ट्रीय राजमार्ग की घोषणा नहीं की गई है। यातायात की वर्तमान तथा परियोजित सघनता, मौजूदा पेवमैंट की स्थिति, और अखिल भारतीय आधार पर पारस्परिक प्राथमिकता तथा निधियों की उपलब्धता जैसे विभिन्न पहलुओं को ध्यान में रख कर राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा किया जाता है। राष्ट्रीय राजमार्गों के कुछके खंडों को चौड़ा किया जा चुका है।

निधियों के अभाव तथा अन्य कारणों से गुजरात में सभी राष्ट्रीय राजमार्गों को चौड़ा किया जाना संभव नहीं है। अतः अभी से यह बता पाना संभव नहीं है कि गुजरात से गुजरने वाले राष्ट्रीय राजमार्गों को कब तक चौड़ा कर दिया जाएगा। पिछले तीन वर्षों के दौरान गुजरात राज्य के लिए राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और रख-रखाव के लिए, आबंटित राशि नीचे दर्शाई गई है:-

	विकास		रख-रखाव एवं मरम्मत	
	आबंटन	व्यय	आबंटन	व्यय
1991-92	4770.00	5826.75	918.89	1004.16
1992-93	4650.00	6211.86	881.37	1056.61
1993-94	6350.00	4552.25	1033.95	1211.25

दिल्ली परिवहन निगम की खराब दशा

3032. **मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी**: क्या जल-भूतल परिवहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार दिल्ली परिवहन निगम के अस्तित्व का औचित्य सिद्ध करने के लिए क्या कार्यवाही कर रही है;

(ख) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम के कर्मचारियों ने स्वयं ही निगम को लूटा तथा उसे बरबाद किया है; और

(ग) इस संबंध में सरकार की क्या योजना है?

जल-भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री जगदीश टाईटलर): (क) से (ग) सरकार, दिल्ली परिवहन निगम की कार्य-प्रणाली में सुधार लाने की दृष्टि से इसके कार्य-निष्पादन पर लगातार नजर रखती रही है। ईंधन की बचत और टायर की आयु में वृद्धि, बेहतर रख-रखाव द्वारा ब्रेक-डाऊनों की संख्या में कमी और खर्च में किफायत जैसे कुछ उपाय किए गए हैं। सरकार दिल्ली परिवहन निगम की पुनर्स्थापना के लिए एक अन्तर-सम्बद्ध पैकेज को भी अंतिम रूप दे रही है।

यह बात सरकार के देखने में नहीं आई है कि दि०प०नि० के कर्मचारियों ने ही निगम को लूटा और नष्ट किया है।

Amount Earmarked for Works of National Highways In Gujarat

3033. SHRI ANANTRAY DEVSHANKER DAVE: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:-

(a) what are the details of the amount earmarked by Government for national highways in Gujarat during the years 1993-94 and 1994-95 respectively;

(b) whether Government of Gujarat have submitted any proposal to link some of the roads of the State with national highways; and

(c) if so, what are the details thereof?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The amount allocated and released to the Government of Gujarat for development and maintenance of National Highways during 1993-94 and 1994-95 is as under:-

Year	Development	Maintenance & Repairs
	(Rs. in lakh)	
1993-94	6350.00	1033.95 766.70 (Upto 7/94)
1994-95	5100.00 (Tentative)	

(b) and (c) Presumably, the Hon'ble Member is having in mind the proposals submitted by the Government of Gujarat for financing of certain projects linking State Roads with National Highways. The Government of Gujarat has forwarded 76 road/bridge schemes costing Rs. 56.57 crore under the Centrally Aided Programme of State Roads of Inter-State or Economic Importance in the 8th Plan. However, keeping in view the limited availability of funds for the Central Sector Road schemes during the 8th Plan, it has not been possible to sanction any proposal so far.

Causes of Raod Accidents on the National Highways

3034. SHRIMATI ANANDIBEN JATHABHAI PATEL:
SHRI K. RAHMAN KHAN:

Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) what are the major causes of raod accidents on the National Highways in the country;

(b) whether Government will consider banning liquor shops, bars etc. on the National Highways;

(c) whether Government are considering privatisation of the maintenance of National Highways; and

(d) if so, the details thereof and action taken by Government so far thereon?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) The major causes of accidents on the National Highways are both human error and mechanical defects of vehicles.

(b) As per List II of Seventh .Schedule of the Constitution, this is a State subject and as such Govt, has no such proposal.

(c) and (d) The Government have been contemplating to involve Private Sector participation in the construction, maintenance and operation of fee based facilities on National Highways in various States on BOT (Build, Opcrater and Transfer) basis. But no concrete proposals have yet emerged.

Expansion of National Highway Network in Kamataka

3035. SHRI K. RAHMAN KHAN: Will the Minister of SURFACE TRANSPORT be pleased to state:

(a) whether the Government of Kamataka has requested Government of India to expand the National Highway network in Kamataka;

(b) if so, which are the new National Highways proposed in Kamataka;

(c) whether Government have approved the proposal; and

(d) if so, the details thereof; and if not, the reasons therefor?